जिनवाणी स्तुति

जिनवाणी जग मैय्या जन्म दुःख मेट दो
जन्म दुःख मेट दो मरण दुःख मेट दो |
जिनवाणी जग ....

समवशरण सा महल तुम्हारा गणधर जैसे भैय्या |
कुन्द-कुन्द से पुत्र तुम्हारे तीर्थंकर से सैय्या ||
जिनवाणी जग मैया........

सात तत्व छः द्रव बताए हो उपकारी मैय्या |
जो भी शरण में आया उसकी पार लगा दी नैय्या ||
जिनवाणी जग मैया........

संकट मोचन नाम तुम्हारा तुम हो जग की मैय्या |
हाथ जोड़कर शीष नवाऊँ पडु तुम्हारे पैय्या ||
जिनवाणी जग मैया.......

prakasheffort@gmail.com
7408408851